राजस्थान का खारची ग्राम पादप जीनोम रक्षक समुदाय पुरस्कार

पाली जिले की मारवाड़ जंक्शन तहसील के **खारची ग्राम पंचायत** को परंपरागत खार्चिया गेहूं के संरक्षण के लिये *पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण,* नई दिल्ली द्वारा 24 अगस्त को राष्ट्रीय स्तर के पादप जीनोम रक्षक समुदाय पुरस्कार से सम्मानित किया गया । यह पुरस्कार उन्हें नई दिल्ली स्थित नास (एन.ए.एस.सी) परिसर में आयोजित समारोह में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्रीमान राधा मोहन सिंह द्वारा प्रदान किया। सम्मान के तौर पर दस लाख रूपये एवं प्रशस्ति पत्र ग्राम पंचायत के सरपंच एवं कृषक समुदाय के जनप्रतिनिधि मण्डल को दिये गये। काजरी, कृषि विज्ञान केन्द्र पाली ने पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, में खार्चिया गेहूं के पंजीकरण में योगदान दिया। डॉ. धीरज सिंह प्रभारी, कृषि विज्ञान केन्द्र पाली को उनके इस योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

खार्चिया गेहूं अब खारची गाँव के नाम से पंजीकृत हो गया है तथा भविष्य में इस गेहूं से होने वाले हर व्यावसायिक पक्ष में इस गाँव की हिस्सेदारी होगी। खार्चिया का संरक्षण एवं संर्वधन महत्वपूर्ण है क्योंकि इस समय देश में समस्याग्रस्त मृदा का क्षारीय व लवणीय क्षेत्र लगभग 6.73 मिलियन हैक्टेयर है जबकि राजस्थान में लगभग 10.62 लाख हैक्टेयर भूमि लवणीयता एवं क्षारीयता की समस्या से ग्रस्त है इसमें लगभग 6.43 लाख हैक्टेयर भूमि तो लवणीय है। इस प्रकार की भूमि में खार्चिया गेहूं का सफल उत्पादन हो सकता है।